राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 23 मार्च • 2023

'विश्व जल दिवस' पर हुए जागरूकता कार्यक्रम

ुर (एसएनबी)। 'विश्व जल ' पर वुधवार को सीएसए कृषि व एसएन सेन कॉलेज सहित संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम जित कर लोगों को जल वचाओ देश दिया गया।

ीएसए में सेमिनार आयोजित ात्रों को जल के सही उपयोग को जागरूक किया गया। सेमिनार लसचिव डॉ. पीके उपाध्याय, न सचिव डॉ. सर्वेश कुमार, शाद खान, डॉ. एसएन पांडेय, रामजी गुप्ता, कौशल कुमार, विवेक त्रिपाठी आदि ने संवोधित किया। छात्रों ने पोस्टर प्रजेंटेशन, क्विज व व्याख्यान के माध्यम से जल की महत्ता पर अपने विचार रखे। व्याख्यान में पंकज कुमार व पोस्टर प्रजेंटेशन में पुष्पेंद्र कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एसएन सेन कॉलेज में विश्व जल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य डॉ. सुमन ने सभी को प्रोत्साहित किया। छात्राओं ने जल संरक्षण पर अपने विचार भी रखे।

एसएनसेन कॉलेज में विश्व जल दिवस पर वक्तव्य रखतीं छात्राएं।

जायद में मक्का व बाजरा की खेती कर कमाएं अधिक लाभ

डा. खलील खान • जागरण

जासं, कानपुर देहात : वर्ष 2023 श्रीअन्न के नाम किया गया है, मोटे अनाज न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते है बल्कि मुनाफा भी सही देते हैं। जायद फसल में किसान मक्का व बाजरा ले सकते हैं इससे फायदा होगा। अगेती खीरा जो किसान लगाए हैं उनमें कीड़ा लगने की अधिक संभावना है इसलिए रोकथाम को डाईक्लोरोवास 76ईसी 1.25 प्रति मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव कर दें राहत मिलेगी सब्जी वाली फसलों में सफेद मक्खी नाम का कीड़ा लगता है इससे अंदर से सब्जी सड़ जाती है, इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 0.3 मिलीलीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें जरूर लाभ मिलेगा, लाल मकड़ी भी लग जाती है इसके रोकथाम के लिए भी राहत होगी यह बातें मृदा एवं कृषि विज्ञानी डा. खलील खान ने दैनिक जागरण प्रश्न पहर में पाठकों के सवाल का जवाब देते हुए कही।

• आलू की फसल के बाद खेतों में क्या बो सकते है, जिससे फसल सही रहे व मुनाफा भी हो।

प्रभाकर पांडेय, रसूलाबाद

-उड़द व मूंग की फसल सही रहेगी साथ ही ग्रीष्म काल में बाजरा भी आप खेत में ले सकते हैं। मूंग की स्वेता प्रजाति सबसे बेहतर है इसके अतिरिक्त पीडीएम 54 व सम्राट प्रजाति भी ले सकते हैं। उड़द में शेखर 2, आजाद 2 व उत्तरा जैसी प्रजातियां व बाजरे में शंकर किस्म ले सकते हैं।

• मिट्टी के उपजाऊ होने के बारे में जानकारी कैसे ली जा सकती है व प्रक्रिया क्या है।

आयुष अकबरपुर

-यह मिट्टी परीक्षण का बिल्कुल सही समय है। गेहूं, सरसों की जब कटाई हो जाए तो मई के माह में 15 सेंटीमीटर या छह इंच गहराई का गड्ढा खोदिए उस खेत के चारों कोने व एक बीच से मिट्टी का नमूना लेकर एकत्र कर लें। इसे मिलाने के बाद धन का निशान कर दें इससे चार भाग हो जाएंगे कोई भी दो भाग अपने पास रख लें बाकी हटा दें फिर से यही प्रक्रिया करेंगे जब तक आधा किलो न बचे इसे कृषि विज्ञान केंद्र में ले जाकर जांच कराएंगे इसके बाद वह इसका परीक्षण कर गुणवत्ता की जानकारी मृदा स्वास्थ्य कार्ड के जरिए दे देंगे।

• दो वर्ष से हमारे खेत में गेहूं की पैदावार कम हो रही है साथ ही फसल बोने से पहले क्या सावधानी रखें।

अंकित मिश्रा, मंगलपुर मलासा

-आप सबसे पहले कटाई के बाद मिट्टी की जांच जरूर कराएं इससे क्या कमी है सामने आ जाएगी, जीवांश कार्बन मिट्टी में होता है जो उसकी जान होती है। स्वस्थ मिट्टी में 0.8 प्रतिशत जीवांश कार्बन होना चाहिए। अगर मिट्टी परीक्षण नहीं करा पा रहे तो हरी खाद (ढैंचा) की फसल ले लें इससे जीवांश बढ़ेगा या फिर गोबर की खाद जरूर डलवाएं।

• गेहूं, चना व मटर में उखटा रोग का उपचार किस तरह से किया जाए।

अनूप कुमार, गोपालपुर

-उखटा रोग गेहूं के अलावा चना, मटर, मूंग जैसी दलहनी फसल जैसे फूल में आती है सूखने का खतरा रहता है, पौधे को जड़ से उखाड़कर बीच से फाड़ेंगे तो बीच में लाल धारी होगी यह रोग का लक्षण है, फिजेरियम फंगस के चलते यह होता है। बोवाई के समय ही दो ग्राम दवा कार्बेंडा जिम या थिरम प्रति किलो बीज के हिसाब से शोधित कर तब आप बोएं यह रोग नहीं होगा।

• धान की नर्सरी की तैयारी कब से करें तो बेहतर रहेगा।

विश्वास यादव, सूरजपुर रसूलाबाद

-10 जून से आप इसकी तैयारी कर लें व पूसा बासमती एक, दो, तीन की सुगंधित प्रजाति है, साथ ही उन्नत खेती के लिए रसायन का इस्तेमाल न करें व जैविक खाद का ही प्रयोग करें यह सेहत के लिए भी सही रहेगा।

• मूंग की फसल अधिक उपजाऊ हो इसके लिए क्या करें।

अंकुश शुक्ला, कटरा

-बोवाई करते समय हमें इसमें जैव उर्वरक का प्रयोग करना होगा राइजोबियम लेकर उपचारित करना होगा बीज को उपचारित करने के बाद जड़ में जो गांठ होती है नाइट्रोजन को अवशोषित करता है, यह जीवाणु की क्रियाशीलता को बढ़ाता है इससे पौधे को अधिक नाइट्रोजन मिलता है। केवल 10 से 12 रुपये में आता है।

• मूंग उड़द में इस समय मोजेक रोग का उपचार कैसे करें।

सुशील कुमार मंगलपुर

-इससे पत्तियां पीली हो जाती हैं व सिकुड़ जाती है इसकी रोकथाम के लिए मिथाईल ओ डिमेटान 25 सीसी एक लीटर दवा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें हरा फुदका व थ्रिप्स कीड़े लगते हैं इनकी रोकथाम के लिए क्यूनालफास सवा लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से छिड़काव करें।